राज्य के 2839 गिरदावर सर्किलों पर ग्राम उत्थान शिविर लगाएगी भजनलाल सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में राज्य सरकार जल्द करेगी ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 का आयोजन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ **इन शिविरों में तार बंदी, पाईप लाईन, फार्म पौण्ड, बैलों से खेती योजना की प्रोत्साहन राशि की स्वीकृतियां, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, बीज मिनिकिट वितरण का सत्यापन, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पम्प संयंत्र इत्यादि की स्वीकृतियां और मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण किया जाएगा।**

जयपुर (कासं)। भजनलाल सरकार, राज्य के 2839 गिरदावर सर्किलों पर ग्राम उत्थान शिविर लगायेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारीशक्ति के कल्याण के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, राज्य सरकार शीघ्र ही 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026' का आयोजन करेगी। इसमें प्रगतिशील किसानों और पशुपालकों की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के क्रम में प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर 23 जनवरी से ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, ये शिविर दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। बसंत पंचमी के शुभ अवसर 23 जनवरी को प्रथम चरण की शुरूआत होगी, जिसमें 24, 25 व 31 जनवरी को शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं, दूसरे चरण में 1 फरवरी एवं 5 से 9 फरवरी तक इनका आयोजन होगा। इस प्रकार 10 दिनों तक प्रदेशभर में 2 हजार 839 शिविर प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक प्रदेशभर में आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों से पहले 22 जनवरी को ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को ग्राम उत्थान शिविरों में होने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी।

इन शिविरों में तार बंदी, पाईप लाईन, फार्म पौण्ड, बैलों से खेती योजना के अन्तर्गत प्रोत्साहन राशि की स्वीकृतियां, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, बीज मिनिकिट वितरण का सत्यापन करने के साथ ही फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पम्प संयंत्र इत्यादि की स्वीकृतियां और मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण किया जाएगा।

किसान क्रेडिट कार्ड एवं नए कस्टम हायरिंग सेंटर संबंधी कार्य, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुपालकों का पंजीकरण एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करना, फर्टिलिटी किटों का वितरण, प्राइमरी डेयरी कॉपरेटिव सोसायटी एवं डेयरी कॉपरेटिव सोसायटी के पंजीयन के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत निर्मित आवासों में लाभार्थियों का गृहप्रवेश करवाया जाएगा। वहीं, वीबी जी राम जी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार और पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना का सर्वे कार्य पूरा किया जाएगा।

इसी प्रकार स्वामित्व कार्डों का वितरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत की आवश्यकताओं का चिन्हीकरण, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत पंजीकरण एवं युवा स्वरोजगार योजना सहित अन्य कार्य किए जाएंगे।

इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित 12 विभाग भाग लेंगे।

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को शिविरों का नोडल विभाग बनाया गया है, जो सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए इन शिविरों के माध्यम से कृषकों एवं पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करेगा।

विदेशी पर्यटकों से भरी ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश नाकाम

जयपुर में महाराजा एक्सप्रेस टूरिस्ट ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश

■ **सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी हॉस्पिटल स्थित रेलवे फाटक के पास अज्ञात व्यक्तियों ने रेलवे ट्रैक पर रखी थी भारी लोहे की एंगल**

■ **हालांकि लोको पायलट की सतर्कता के चलते ट्रेन समय रहते रुक गई, जिससे ट्रेन में सवार विदेशी पर्यटकों सहित सभी की जान बच गई**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली बड़ी साजिश जयपुर में नाकाम हो गई। महात्मा गांधी हॉस्पिटल स्थित रेलवे फाटक के पास अज्ञात व्यक्तियों ने महाराजा एक्सप्रेस टूरिस्ट ट्रेन को डिरेल करने के लिए रेलवे ट्रैक पर भारी लोहे की एंगलें रख दीं। हालांकि लोको पायलट की सतर्कता के चलते ट्रेन समय रहते रुक गई, जिससे ट्रेन में सवार विदेशी पर्यटकों सहित सभी की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया। इस संबंध में आरपीएस की ओर से शिवदासपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आरपीएफ सीनियर डीएससी ओंकार सिंह ने बताया कि महाराजा एक्सप्रेस, जो दिल्ली से आगरा होते हुए सवाई माधोपुर से जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन आ रही थी। जो सांगानेर-शिवदासपुरा स्टेशन के बीच लोहे की एंगलों से टकराने ही वाली थी। लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन रोककर कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम डॉग स्क्वॉयड और स्पेशल फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और पटरी से एंगल हटाकर ट्रैक सुरक्षित किया। मौके पर एंगल पर सिमेंट ब्लॉक भी लगे हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, अगर ट्रेन इससे टकराती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

डीएससी ओंकार सिंह ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिवदासपुरा थाने में जानबूझकर ट्रेन को डिरेल करने की साजिश के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि किसी नशेडी ने एंगल को ट्रैक पर रखा और दो ब्लॉक तोड़ते समय ट्रेन के आने के कारण छोड़कर भाग गए। मामले की गहन जांच आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की मदद से जारी है। महाराजा एक्सप्रेस में कुल 23 कोच थे, जिसमें 21 विदेशी पर्यटक और कई ट्रेन कर्मचारी सवार थे। ट्रेन को रोकने के कारण ट्रैक पर करीब 35 मिनट तक रुकी रही।

रीको में 98 पदों पर भर्ती होगी

जयपुर। राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (रीको) ने युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर प्रदान करते हुए विभिन्न संवर्गों के 98 पदों पर भर्तियां निकाली हैं।

रीको की इस नई भर्ती के अंतर्गत कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक, प्रोग्रामर, सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय, कनिष्ठ विधि अधिकारी, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय, प्रारूपकार एवं कनिष्ठ सहायक जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल है। कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक एवं प्रोग्रामर प्रत्येक के 1 पद पर भर्ती की जा रही है।

सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय के 21 पद, कनिष्ठ विधि अधिकारी के 4, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय के 8 पद, प्रारूपकार के 8 एवं कनिष्ठ सहायक के 54 पदों पर भर्ती की जा रही है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 21 जनवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक किए जा सकेंगे। गौरतलब है कि इससे पूर्व रीको द्वारा सिविल कैडर में 39 सहायक स्थल अभियंता पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है जिसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

रीको राजस्थान सरकार का प्रमुख उपक्रम है, जो राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना, उनके संचालन एवं रखरखाव तथा उद्योगों को ऋण उपलब्ध कराने का कार्य करता है। वर्तमान में रीको के 33 इकाई कार्यालयों के माध्यम से 445 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा चुके हैं। राज्य के प्रतिष्ठित उपक्रम रीको में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए यह एक शानदार अवसर है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, नियम एवं शर्तें, परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश एवं अन्य सभी आवश्यक जानकारियां रीको की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

राज्यपाल ने देश के विभिन्न प्रांतों के आदिवासी युवाओं से किया संवाद

आदिवासी युवा उच्च शिक्षा के बाद उच्च सेवाओं में जाने के लिए मन से प्रयास करे : हरिभाऊ बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को लोकभवन में ओडिसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड से आए आदिवासी युवा प्रतिभागियों को श्रेष्ठ कार्यक्रम प्रस्तुतियों पर सम्मानित किया।

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को लोकभवन में ''आदिवासी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम'' के अंतर्गत ओडिसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड आदि प्रांतों से आए आदिवासी युवा प्रतिभागियों से संवाद किया।

राज्यपाल ने इस दौरान कहा कि ग्रामीण और आदिवासी युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और परस्पर विचार विनिमय की दृष्टि से युवा आदान प्रदान कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आदिवासी युवाओं को उच्च शिक्षा के बाद उच्च सेवाओं में जाने के लिए परीक्षाएं देने और सफल होने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा मन बनाकर उच्च शिक्षा, व्यवसाय और उच्च सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के प्रयास करें। इसी से आदिवासी समाज तेजी से आगे बढ़ सकेगा। बागडे ने युवाओं को नशे और व्यसन से दूर रहने का भी आव्हान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति को अशक्त करता है। इससे शारीरिक और मानसिक क्षमता का नाश होता है। उन्होंने भारत की संस्कृति को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए कहा कि विविधता होते हुए भी हमारी श्रद्धा और भक्ति एक है। भारत की संस्कृति मनों को जोड़ने वाली है।आरम्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से प्रायोजित इस युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के बिहार, झारखंड और ओडिसा के प्रतिभागियों ने अपने अनुभव भी सुनाए। युवाओं ने आदिवासी संस्कृति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। राज्यपाल ने आदिवासी संस्कृति के श्रेष्ठ कार्यक्रम देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर राज्यभर में चार चरणों में होंगे विशेष कार्यक्रम

जयपुर (कासं)। अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव कला एवं संस्कृति, प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्यभर में चार चरणों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत द्वितीय चरण में कार्यक्रमों का आयोजन 19 से 26 जनवरी तक किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि गणतंत्र दिवस के दिन जयपुर में राज्यपाल के आतिथ्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही राज्य के सभी जिला मुख्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों तथा स्कूल-कॉलेजों में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात बड़े पैमाने पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, स्थानीय अधिकारी, प्रमुख हस्तियां और नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। द्वितीय चरण में 19 से 26 जनवरी तक राज्य के विभिन्न शैक्षिणक संस्थानों में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट एवं गाइड की सहभागिता के साथ वंदे मातरम् गायन होगा।

पाबंदी के बावजूद जर्जर स्कूल भवनों के उपयोग पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई

अदालत ने शिक्षा निदेशक को कोर्ट में हाजिर होकर जवाब पेश करने के आदेश दिए हैं

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के जर्जर सरकारी स्कूल भवनों के उपयोग पर पाबंदी के बावजूद इसका उपयोग करने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा है कि आगामी 2 फरवरी को प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशक अदालत में पेश हो। वहीं अदालत में शपथ पत्र पेश कर बताए कि अदालती रोक के बावजूद भी जर्जर स्कूल भवनों का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

वहीं हाल ही में बूंदी जिले में सरकारी स्कूल की छत किन परिस्थितियों में गिरी। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड़ में स्कूल की छत गिरने के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान न्यायमित्र ने एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का उल्लेख करते हुए बताया कि बूंदी के भैंसखेड के सरकारी स्कूल की छत गिरी है। स्कूल में उस समय करीब तीस छात्र मौजूद थे और वे कुछ देर पहले की बाहर बैठे थे। यदि वे अंदर होते तो बडी घटना हो सकती थी।

इस पर अदालत ने कहा कि विभाग के अधिकारी बार-बार यह आश्वासन दे रहे हैं कि छात्रों को सुरक्षित माहौल में पढाई के लिए हर संभव कार्रवाई की जा रही है, लेकिन हकीकत इसके विपरीत है। अदालत ने गत 22 अगस्त को आदेश जारी कर जर्जर स्कूलों का उपयोग करने पर रोक लगाई थी। इस पर विभाग ने अदालत को आदेश की पालना करने की बात भी कही थी, लेकिन इस आदेश की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। इसके अलावा अदालत की ओर से पूर्व में कई बिंदुओं पर दिए राज्य सरकार से शपथ पत्र मांगा गया था, लेकिन बीते कई महीनों से अदालत में न तो शपथ पत्र दिया जा रहा है और ना ही देरी का कारण बताया जा रहा है।

डॉ.मोहन भागवत आज जयपुर दौरे पर

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 21 से 23 जनवरी तक दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर आएंगे। अपने दौरे के दौरान वे सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभाग कर महत्वपूर्ण संदेश देंगे। डॉ. मोहन भागवत 21 जनवरी को विमान से जयपुर पहुंचेंगे और इसके बाद किशनगढ़ जाकर रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 22 जनवरी को वे छोटी खाटू में आयोजित भव्य मर्यादा महोत्सव में भाग लेंगे, जहां जैन धर्माचार्य आचार्य महाश्रमण के साथ उनकी सहभागिता रहेगी। इस आयोजन को सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों के संदेश के रूप में देखा जा रहा है। महोत्सव में सहभाग के पश्चात डॉ. भागवत जयपुर लौटेंगे और रात्रि विश्राम जयपुर में करेंगे। 23 जनवरी 2026 को वे प्रात: विमान से जयपुर से प्रस्थान करेंगे।

भीलवाड़ा, बाड़मेर, टोंक और सिरोही के 93 बजरी खनन पट्टों के ई-नीलामी आदेश पर रोक

राजस्थान हाईकोर्ट ने यह रोक लगाते हुए पूछा है कि ''राज्य सरकार बताए बजरी का पुनर्भरण कैसे होगा?''

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के चार जिलों भीलवाड़ा, बाडमेर, टोंक और सिरोही के करीब 93 बजरी खनन पट्टों के ई-नीलामी आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को रिपोर्ट तैयार करने को कहा है कि जिस स्थान से बजरी निकाली जाएगी, वहां बजरी का पुनर्भरण कैसे होगा। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार यह रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करे और चाहे तो मामले में सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका में इस रिपोर्ट को रखे। अदालत ने कहा कि नियमानुसार एक बार खनन की अवधि पूरी होने के बाद वहां अगले पांच साल खनन नहीं होता है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. बृजमोहन सपूत कला संस्कृति सेवा संस्थान की जनहित याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने पूर्व में सभी पक्षों की बहस सुनकर जनहित याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जनहित याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और अधिवक्ता अलंकृता शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट और केन्द्रीय एंपावरमेंट कमेटी की सिफारिश की अवहेलना करते हुए इन खनन पट्टों के ई-नीलामी निकाली। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2021 में सीईसी की रिपोर्ट को मंजूरी दी थी, जिसमें स्पष्ट प्रावधान किया था कि एक बार खनन अवधि पूरी होने के बाद वहां अगले पांच साल के लिए खनन काम नहीं होगा। जिससे इस अवधि में नदी में प्राकृतिक रूप से बजरी का पुनर्भरण हो सके। इसके बावजूद राज्य सरकार ने 12 से 100 हेक्टेयर तक के छोटे ब्लॉक बनाकर पुराने खनन क्षेत्रों को फिर से नीलाम कर दिया। ऐसे में एक ही खनन क्षेत्र में बीते एक दशक से बजरी खनन हो रहा है। याचिका में कहा गया कि इससे नदी का तल गहरा हो रहा है और भूजल स्तर भी तेजी से गिर रहा है। वहीं नदी किनारे की जमीन बंजर हो रही है। याचिका में कहा गया कि प्रदेश में 12 मासी नदियां नहीं है, जिससे मानसून में भी इनका पूरी तरह से पुनर्भरण नहीं होता। वहीं अत्यधिक खनन से मछली पालन स्थल भी समाप्त हो रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने तीन अधिकारियों की कमेटी भी बनाई थी, लेकिन कमेटी के गलत निष्कर्ष निकालने पर कोर्ट ने उसकी रिपोर्ट को नहीं माना।

पत्नी को फैमिली पैंशन देने के आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि कोई महिला वैधानिक रूप से मृतक सरकारी कर्मचारी की विधवा है, भली ही वह उसका विवाह नाता प्रथा से हुआ हो तो भी वह फैमिली पेंशन की अधिकारी है।

अदालत ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत यदि समुदाय की परंपरा से विवाह हुआ है तो उसे वैध माना जा सकता है। अदालत ने माना की सेवा नियमों के तहत यदि कोई महिला मृतक कर्मचारी की विधिक रूप से पत्नी है तो केवल नामांकन नहीं होने के आधार पर उसे फैमिली पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को फैमिली पेंशन अदा करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश राम प्यारी सुमन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रोहित कुमार ने कहा कि पूरण लाल सैनी का पटवारी पद से रिटायर होने के बाद दिसंबर 2020 में निधन हो गया था। पहली पत्नी के निधन के बाद पूरण लाल ने याचिकाकर्ता से नाता प्रथा से विवाह किया था। परिणाम स्वरूप उसने एक पुत्री को भी जन्म दिया था। वहीं वैवाहिक विवाद के कारण फैमिली कोर्ट ने उसे भरण पोषण भी दिलाया था। इस दौरान पूरण लाल ने कोर्ट में याचिकाकर्ता को अपनी पत्नी भी स्वीकार किया था। ऐसे में उसे फैमिली पेंशन दिलाई जाए।

राजधानी में फिर कोहरे की दस्तक

राजधानी जयपुर में बीते दो दिनों से आसमां में छाये बादलों से तापमान में बढ़ोतरी थी, परंतु मौसम में अचानक आए बदलाव के बाद मंगलवार सुबह हल्की ठंड के साथ शहर में घना कोहरा छाया।

'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में तीसरा बजट भी होगा माइलस्टोन'

जयपुर (कासं)। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि आज राजस्थान अपूर्व विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आगामी 28 जनवरी से राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ हो रहा है। पूर्व के दो बजट राजस्थान के लिए माइलस्टोन साबित हुए हैं, जिनसे लोगों की अपेक्षाओं से कहीं अधिक कार्य हुए। इसी प्रकार यह आगामी बजट भी राजस्थान के विकास में एक नया माइलस्टोन सिद्ध होगा। विपक्ष की भूमिका पर बोलते हुए जोगाराम पटेल ने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र की ताकत है। उनसे विनम्र अनुरोध है कि राजस्थान के विकास के लिए सकारात्मक सहयोग करें, विकास के मुद्दों पर अपनी राय और विजन प्रस्तुत करें। केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए नकारात्मक भाव और अशोभनीय भाषा का प्रयोग न करें।मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार जनता के हित में निरंतर कार्य कर रही है। विपक्ष इन कार्यों की तुलना करते हुए सुझाव दे, लेकिन केवल बयानबाजी से बचें। सदन का पटल जन-उपयोगी एवं विकास के मुद्दों के लिए होना चाहिए। श्रद्धेय भैरों सिंह शेखावत एवं शिवचरण माथुर के समय का जो गौरवपूर्ण इतिहास रहा है, उसी परंपरा का अनुसरण किया जाना चाहिए। मंत्री पटेल ने कहा कि विपक्ष को विधानसभा का उपयोग जनता के हितों के लिए करना चाहिए तथा अपनी अंदरूनी खींचतान को सार्वजनिक मंच पर नहीं लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बजट सत्र ऐतिहासिक होगा-कार्य अवधि और कार्य दोनों ही दृष्टि से। तर्क-वितर्क के साथ सदन का उपयोग राजस्थान की जनता के हित में किया जाना चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के निर्विरोध निर्वाचन पर आतिशबाजी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन के निर्विरोध निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को जयपुर स्थित प्रदेश मुख्यालय में भव्य उत्सव आयोजित हुआ। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ो, आतिशबाजी और भारत माता की जय, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, जेपी नड्डा जिंदाबाद, नितिन नबीन जिंदाबाद के नारों के साथ खुशी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर जश्न मनाया।